साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 138 | जौनपुर, मंगलवार, 13 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### मोदी सरकार ने 10 वर्ष में किसान को सिर्फ ठगा है – राहुल–प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि मोदी सरकार किसानों को लेकर असंवेदनशील है और उसने 10 साल के कार्यकाल में किसानों को सिर्फ ठगा है और अब उनके रास्ते में कील कांटे बिछाकर उनकी राह में अवरोध पैदा किए जा रहे हैं। श्री गांधी ने कहा,"दिन रात 'झूठ की खेती' करने वाले मोदी ने 10 वर्षों में किसानों को सिर्फ ठगा है। दो गुनी आमदनी का वादा कर मोदी ने अन्नदाताओं को एमएसपी के लिए भी तरसा डाला। महंगाई तले दबे किसानों को फसलों का सही दाम न मिलने के कारण उनके कजे 60 प्रतिशत बढ़ गए–नतीजा, लगभग 30 किसानों ने रोज अपनी जान गंवाई। ६ ोखा जिसकी यूएसपी हो वो एमएसपी के नाम पर किसानों के साथ सिर्फ राजनीति कर सकता है न्याय नहीं। किसानों की राह में कीलें बिछाने वाले भरोसे के लायक नहीं हैं इनको दिल्ली से उखाड़ फेंको, किसान को न्याय और मुनाफा कांग्रेस देगी। किसानों के रास्ते में कील–कॉंटे बिछाना अमृतकाल है या अन्यायकाल। इसी असंवेदनशील एवं किसान विरोधी रवैये ने 750 किसानों की जान ली थी। किसानों के खिलाफ काम करना, फिर उनको आवाज भी न उठाने देना– कैसी सरकार का लक्षण है।

### रेलवे ने सुरंग बनाने के लिए स्विस कंपनियों से की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने ऋषिकेश–कर्ण प्रयाग नई रेल लाइन और ऊधमपुर –श्रीनगर –बारामूला रेल लिंक समेत विभिन्न परियोजनाओं में सुरंग बनाने के काम के लिए स्विटजरलैंड की कंपनियों से साझेदारी की है। रेलवे क्षेत्र में तकनीकी सहयोग के लिए स्विस परिसंघ के पर्यावरण, परिवहन, ऊर्जा और संचार (डीईटीईसी) के संघीय विभाग और रेल मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन विचाराधीन है। सरकार ने मौजूदा प्रौद्योगिकी के कुशल उपयोग के लिए अपने स्विस समकक्ष के साथ सहयोग करने के लिए विशेष रूप से हब एंड स्पोक मॉडल और सुरंग बनाने के उन्नत तकनीक के क्षेत्रों में क्या उपाय किए है? इस पर रेल मंत्री ने स्विस कंपनियों से साझेदारी की बात कहते हुए बताया कि रोलिंग स्टॉक, रेलवे बुनियादी ढांचा, रेल सुरक्षा, ट्रेन शेड्यूलिंग व परिचालन सुधार, नई प्रौद्योगिकी व नवाचार और अन्य सहयोगी क्षेत्रों की पहचान की गई है। 125 किमी लंबी ऋषिकेश–कर्ण प्रयाग परियोजना का विकास रेल विकास निगम लिमिटेड और ऊधमपुर– श्रीनगर –बारामूला परियोजना का विकास इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

## कोई भी राज्य या देश, विकास में हमारा मुकाबला नहीं कर सकता - ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि उनकी सरकार राज्य के लोगों के विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, लेकिन उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। पश्चिम बंगाल के हुगली में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने ये बातें कही। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार की आर्थिक नाकेबंदी के बावजूद राज्य सरकार ने गरीबों के लिए कई कल्याण कारी योजनाओं की शुरुआत की है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि कोई भी राज्य या देश विकास के मामले में हमारा सामना नहीं कर सकता। ये भी तब है, जब केंद्र ने हमें वंचित रखने की कोशिश की , लेकिन हम हमारे लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लाने में सफल रहे। ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सराकर पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने राज्य के 1.18 लाख करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं। ममता बनर्जी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब टीएमसी के कई नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। ईडी राशन घोटाले समेत कई और घोटालों की जांच कर रही है। विपक्षी भाजपा भ्रष्टाचार के आरोपों पर टीएमसी पर हमलावर है।

संदेशखाली और अपनी पार्टी के नेता शाहजहां शेख को लेकर ममता बनर्जी और टीएमसी विपक्षी पार्टियों के निशाने पर है। संदेशखाली में महिलाओं ने हाल ही में विरोध प्रदर्शन किया और शाहजहां शेख और उनके सहयोगियों पर लोगों की जमीन हड़पने का आरोप लगाया था। महिलाओं ने ये भी दावा किया था कि शाहजहां शेख और टीएमसी नेताओं ने उनके साथ यौन उत्पीड़न किया। इस मामले में ममता बनर्जी ने कहा कि सरकार उचित कदम उठा रही है। राज्य महिला आयोग की टीम को वहां भेजा गया है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी संदेशखाली का दौरा किया।

## दुनिया भारत की ओर बड़ी आस से देख रही – मोहन भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को लोगों से एकता, अहिंसा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत में दर्शन का उच्चतम स्तर है और दुनिया अपनी समस्याओं के समाधान के लिए हमारी ओर देख रही है। भागवत ने जैन तीर्थंकर महावीर के 2550वें निर्वाण वर्ष के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोग अपनी भौतिकवादी जीवन शैली के कारण पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, दुनिया अब अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद से भारत की ओर देख रही है, क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि उनकी भौतिकवादी जीवन शैली उन्हें वह खुशी नहीं देती जो हर कोई चाहता है। भौतिकवादी चीजों में कोई खुशी नहीं है। भागवत ने कहा कि सभी के साथ सौहार्दपूर्वक रहें, अहिंसा का पालन करें, धैर्य रखें, चोरी न करें, यही जाने का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि हमारा समाज पूर्ण

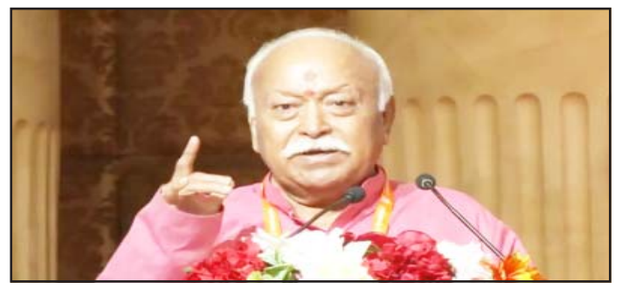

सत्य की खोज के लिए अलग–अलग रास्ते चुनता है। रास्ते अलग–अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है। हमारे समाज में कई तरह के लोग हैं, जैसे जैन, सिख। लेकिन इस देश के लोग होने के नाते हम सब एक हैं और लेकिन भारत की खोज और बाकी दुनिया की खोज के बीच अंतर यह था कि वे इसे बाहर की दृश्य दुनिया में खोजने के बाद रुक गए और हमने, बाहर की खोज के बाद इसे अपने भीतर खोजना शुरू किया और सच्चाई का एहसास किया। एक रहते हुए, हमें राष्ट्र का निर्माण करना है। भागवत ने कहा कि भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों में लोगों ने पूर्ण सत्य और शाश्वत खुशी की तलाश में अलग–अलग रास्ते अपनाए,

## 39 देशों को सतर्क करके लौटे विदेश मंत्री, बिना नाम लिए चीन को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर कूटनीति की भाषा में देश की नीति को पिरोकर बिंदास बोलते हैं। विदेश सेवा के अधिकारी रहे जयशंकर का अनुभव उन्हें इसके लिए बहुत उपयुक्त बना देता है। आस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में दो दिवसीय हिंद महासागरीय देशों के सातवें सम्मेलन में 40 देशों के प्रतिनिधि एकत्र हुए थे। इसमें विदेश मंत्री ने बिना नाम लिए चीन को खूब खरी–खरी सुनाई। उन्होंने 39 देशों को सस्ते कर्ज के जाल में न फंसने के लिए आगाह किया। उन्होंने समुद्री क्षेत्र में बढ़ रही चुनौतियों की तरफ ईशारा करते हुए कहा कि नौवहन, उड़ानों की स्वतंत्रता, संप्रभुता और सुरक्षा की चिंताएं हैं। यह जयशंकर का भारत के पड़ोसी देश चीन पर सीधा हमला था। जयशंकर ने श्रलंका के चीन के सस्ते या अपारदर्शी कर्ज के जाल में फंसने का जिक्र किए बिना हिंद महासागर के देशों को संदेश में ही सबकुछ कह दिया। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के असमान्य संबंधों पर उनके नस्तर जैसे चुभते तंज भी इसी ओर ईशारा कर रहे हैं। जयशंकर अपने संबोध ान में संप्रभुता की रक्षा को काफी अहम स्थान दिया। समुद्री कानूनों की अवहेलना के मामलों से निपटने और लंबे समय से चली आ रही संधियों के उल्लंघन जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए हिंद महासागरीय देशों के बीच में गहरे संबंध की वकालत की। जयशंकर के इस आह्वान को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की कोशिश, दक्षिण सागर में चीन के दावे और जिबूती द्वीप पर उसके दबदबे से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

हिंद महासागरीय क्षेत्र में क्या हैं चुनौतियां?

विदेश मंत्री ने समुद्री लुटेरों, जल दस्युओं और आतंकवाद के बढ़ते खतरों का जिक्र करते हुए आगाह किया कि जब हिंद महासागर पर नजर डालते हैं, तो वहां दुनिया के सामने मौजूद चुनौतियां पूरी तरह से स्पष्ट होती हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि एक तरफ संघर्ष, समुद्र क्षेत्र के खतरे, समुद्री लूट और आतंकवाद का खतरा दिखाई देता है। जबकि दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय कानून के समक्ष उनके अनुपालना की चुनौतियां हैं। स्वतंत्र नौवहन, समुद्री क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में उड़ानों की आजादी व सुरक्षा तथा संप्रभुता को लेकर चिंताए हैं। विदेश मंत्री लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच से संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय संधि ायों की अनुपालना और अपारदर्शी

कर्ज का मुद्दा उठा रहे हैं। इसे चीन से जोड़कर देखा जाए, तो पड़ोसी देश लगातार अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में रहता है। लद्दाख क्षेत्र में चीन की सेनाओं का वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) में बदलाव लाने का प्रयास करना, दक्षिण चीन सागर में लगातार अपने दबदबे को बनाने की कोशिश करना, अफ्रीका के जिबूती द्वीप तक सैन्य अड्डा बनाने का प्रयास तथा तमाम देशों को सस्ते कर्ज का लालच देखकर उनके संसाधन पर अधि ाकार करने की कोशिश, इससे सीध ो संबंध रखते हैं। हाल में मालदीव में बढ़ रहे चीन के प्रभाव, उसके द्वारा लालच के प्रयास को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। चीन की कोशिश हिंद महासागर क्षेत्र में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की है। भारत का मानना है कि हिंद महासागरीय क्षेत्र में इस तरह के किसी भी देश के प्रयास अस्वीकार्य हैं। इसके लिए आवश्यक है कि हिंद महासागरीय देशों में आपसी सहयोग, समर्थन और रिश्ते मजबूत बुनियाद पर हों।

विदेश मंत्री ने की क्वैड की बात

आस्ट्रेलिया क्वैड का सदस्य है। विदेश मंत्री हिंद महासागरीय क्षेत्र में क्वैड समूह (भारत, अमेरिका,आस्ट्रेलिया और जापान) इस हिस्से में एक बड़े सहयोग का समर्थन करता है। इसी के साथ उन्होंने भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सीट मिलने का भी भरोसा जताया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत को सीट मिलना पक्का (100 फीसदी तय) है। हालांकि उन्होंने कहा कि इसमें अड़चनें भी हैं। भारत के इस रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा चीन ही है। हालांकि उन्होंने बिना चीन का नाम लिए कहा कि कुछ देश नहीं चाहते कि भारत को संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सीट मिले, लेकिन उन्होंने कहा कि भारत को सीट जरूर मिलेगी। विदेश मंत्री ने कहा कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत सशक्त होकर उभरा है। उन्होंने कहा कि भारत का समय जल्द आने वाला है।

## प्रधानमंत्री मोदी ने 1 लाख से अधिक युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोजगार मेले के तहत हाल ही में भर्ती किए गए एक लाख से अधिक कर्मियों को नियुक्ति–पत्र वितरित किए। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने राजधानी दिल्ली में समेकित कर्मयोगी भवन परिसर के पहले चरण का शिलान्यास भी किया। इस परिसर का उद्देश्य मिशन कर्मयोगी की विभिन्न शाखाओं के बीच तालमेल और सहयोग को बढ़ावा देना है। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ... आज हर युवा जानता है कि अगर वह कड़ी मेहनत करे तो वह अपने लिए जगह बना सकता है। 2014 से हम युवाओं को भारत सरकार के साथ जोड़ने और उन्हें विकास में भागीदार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमने पिछली सरकार की तुलना में 1.5 प्रतिशत अधिक नौकरियां दी हैं...उन्होंने कहा, इतना ही नहीं, सरकार का बहुत जोर है कि भर्ती प्रक्रिया एक तय समय के भीतर पूरी कर ली जाए। इससे हर युवा को अपनी योग्यता साबित करने का समान अवसर मिलने लगा है। आप सभी सरकारी कर्मचारियों की कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए भारत सरकार ने कर्मयोगी भारत पोर्टल भी लॉन्च किया है। इस पोर्टल पर विभिन्न विषयों से जुड़े 800 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। अब तक इस पोर्टल से 30 लाख से ज्यादा यूजर जुड़ चुके हैं। आप सब भी इस पोर्टल का पूरा फायदा उठाएं और अपनी स्किल्स का विस्तार करें। पीएम मोदी ने आगे कहा, कनेक्टिविटी बेहतर होने से नए बिजनेस तैयार होते हैं और इससे रोजगार के लाखों अवसर बनते हैं। यानी कनेक्टिविटी अच्छी होने का सीधा प्रभाव देश के विकास पर पड़ता है। उन्होंने कहा, देश में जब कनेक्टिविटी का विस्तार होता है, तो उसका प्रभाव एक साथ कई चीजों पर पड़ता है। कनेक्टिविटी बेहतर होने से नए बाजार बनने लगते हैं, पर्यटन स्थलों का विकास होता है। इस रोजगार मेले के द्वारा भारतीय रेलवे में भी नियुक्तियां हो रही हैं।

## द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने अमेरिका रवाना हुए सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख मनोज पांडे चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा के लिए सोमवार को रवाना हुए। यात्रा के दौरान दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने के उपाय तलाशे जाएंगे। सेना ने 13 से 16 फरवरी तक की उनकी यात्रा को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। सेना प्रमुख वहां उच्च स्तरीय वार्ता में शामिल होंगे। वह अमेरिकी सेना के चीफ आफ स्टाफ जनरल रैंडी जार्ज और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। यह यात्रा भारत और अमेरिकी सेना के बीच गहराते संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है। यात्रा के दौरान कई गंभीर मुद्दों पर विचारों का

आदान प्रदान किया जाएगा। इसमें भारतीय सेना में महत्वपूर्ण परिवर्तन, वैश्विक खतरे, भविष्य को लेकर सेना का विकास और आधुनिकरण आदि शामिल होंगे। सह उत्पादन और विकास को लेकर प्रयास पर भी विचार साझा किए जाएंगे। यात्रा कार्यक्रम में फोर्ट बेल्वोइर में आर्मी जियोस्पेशियल सेंटर, फोर्ट मैकनेयर में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी का दौरा शामिल है। वह सैन्य नवाचार और रणनीति में सबसे आगे रहने वाली इकाइयों का भी दौरा करेंगे, जिनमें स्ट्राइकर यूनिट, पहला मल्टी–डोमेन टास्क फोर्स, सिएटल में पहला विशेष बल समूह और सैन फ्रांसिस्को में रक्षा नवाचार इकाई शामिल हैं।

## दिल्ली में भी एकला चलो की राह, सीएम केजरीवाल बोले– सातों सीट आप को दें

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने के संकेत दिए हैं। आप ने सोशल मीडिया मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनका एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वे कह रहे हैं– दिल्ली के लोगों ने 7 की 7 सीटें आप को देने की ठान ली है। राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी पंजाब की 13 लोकसभा सीटों और चंडीगढ़ की एक संसदीय सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करेगी और उन्होंने अपने उम्मीदवारों की जीत के लिए लोगों से आशीर्वाद मांगा। केजरीवाल ने पंजाब सरकार के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन की डोरस्टेप डिलीवरी के लिए आयोजित एक सभा को

संबोधित करते हुए यह घोषणा की। दो साल पहले आपने आशीर्वाद दिया था। आपने हमें 117 सीटों में से 92 सीटें दीं। आपने पंजाब में इतिहास रचा। आज मैं फिर हाथ जोड़कर आपका आशीर्वाद चाहता हूं। दो महीने बाद लोकसभा चुनाव होंगे. पंजाब में 13 (लोकसभा) सीटें हैं, एक चंडीगढ़ है और 14 सीटें होंगी। आने वाले 10–15 दिनों में आप इन सभी 14 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि जिस तरह आपने दो साल पहले हमें आशीर्वाद दिया था, उसी तरह इन सभी 14 सीटों पर पार्टी को जीत दिलाएं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने भगवंत मान सरकार की भी प्रशंसा की और कहा कि इसने पिछले दो वर्षों में बहुत काम किया है।

## पीएम मोदी करेंगे श्री कल्कि धाम का शिलान्यास, मुख्यमंत्री योगी ने तैयारियों का लिया जायजा

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने ऐंचोड़ा कंबोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आगामी 19 फरवरी को होने जा रहे श्री कल्कि धाम के शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों को परखा। सीएम योगी ने कार्यक्रम स्थल का विस्तृत मुआयना किया और अधिकारियों को विभिन्न दिशा–निर्देश दिए। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने अधि ाकारियों संग समीक्षा बैठक भी की। संभल के ऐंचोड़ा कंबोह में श्री कल्कि धाम के शिलान्यास का कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर–कमलों से होने जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने यहां पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया है। सीएम ने कार्यक्रम स्थल, गर्भगृह, मंच और हेलीपैड का भी निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने आयोजन के लिए की जा रही सभी तैयारियों को समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि आयोजन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद होनी चाहिए। समीक्षा बैठक में अफसरों ने मुख्यमंत्री को बताया कि शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियां तेज गति से पूरी की जा रही हैं। कार्यक्रम स्थल व आसपास के इलाके को समतल करा लिया गया है। साथ ही मिट्टी से गड्ढे भरवा लिए गए हैं। इसके अलावा छह हेलीपैड भी बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियो से गर्भगृह और वीवीआईपी सहित अन्य आगंतुकों के प्रवेश की जानकारी ली। सीएम योगी ने आगंतुकों खासकर संतों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना होने के निर्देश अधि ाकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने अधि ाकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ऐंचोड़ा कंबोह तक आने वाले सभी मार्गों पर सफाई व्यवस्था दुरूस्त कराई जाए। मार्गों को आकर्षक ढंग से सजाया जाए। साथ ही शौचालय और पानी के टैंकर की व्यवस्था की जाए। हेलीपैड को भी समय पर पूरा करा लिया जाए। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट रहे और एंबुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।

# संपादकीय

## भारत की सफल कूटनीति

कतर की जेल में बंद भारतीय नौसेनिकों को 18 महीने बाद जेल से रिहाई की सोमवार को जैसे ही खबर आई तो सारा देश ही झूम उठा। कुछ समय पहले इन अधिकारियों की मौत की सजा को अलग–अलग अवधि की जेल की सजा में बदल दिया गया था। तब देश को कम से कम यह संतोष तो था कि चलो हमारे नागरिकों की जान तो बच गई, पर देश यह भी प्रार्थना कर रहा था कि कतर की जेल में बंद भारतीय नागरिक रिहा होकर सकुशल देश वापस आ जाएं। बेशक, इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की विदेश नीति की बड़ी सफलता ही माना जाएगा कि कतर से फांसी की सजा घोषित हुए नागरिकों की आज रिहाई हो गई। वे सभी सकुशल और ससम्मान जनक तरीके से भारत की धरती पर वापस लौट आए। इस तरह से भारत की कुशल विदेश नीति को सारे संसार ने देखा और दांतों तले उंगलियाँ दबाकर आश्चर्य से देखते ही रह गये । अमूमन अरब देशों के शेख सामान्य तौर पर जासूसी के आरोप में सजा प्राप्त लोगों की सजा माफ नहीं करता। केन्द्र में मोदी सरकार के 2014 में गठन के बाद से भारत के अरब देशों के साथ संबंध लगातार सुधर रहे हैं। उसी के सार्थक परिणाम को भारतीय नौसैनिकों की रिहाई और घर वापसी के रूप में देखा जाना चाहिए। अब कुछ ही दिनों के बाद अबू धाबी में सनातन संस्कृति का भव्य मंदिर भी दुनिया देखेगी। 'अगर मोदी जी नहीं होते तो हम हिंदुस्तान की सरजमीं पर आज नहीं खड़े हो पाते'। अपनी रिहाई से खुश एक नौसैनिक ने भारत आने पर भारत मां की जय बोलते हुए कहा कि यदि नरेन्द्र मोदी ने खुद हस्तक्षेप नहीं किया होता तो आज हमारी रिहाई संभव नहीं थी। यह बड़ी उपलब्धि भारत के शक्तिशाली नेतृत्व का प्रभाव प्रमाण है। यह कूटनीतिक जीत 140 करोड़ देशवासियों की जीत है। आज प्रधानमंत्री मोदी की सफल विदेश नीति का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। देश किस तेजी से बदल रहा है, यह जानने को लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की पूर्व छात्र नेता शेहला रशीद के उस बयान को देखना होगा। वो एक दौर में देश विरोधी शक्तियों के साथ जुड़ी हुई थीं। उन्होंने भी नौ सैनिकों की रिहाई के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मौत की सजा से घर वापसी तकरू यह भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है और इस तथ्य का प्रमाण है कि हमारी विदेश नीति प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सक्षम हाथों में है। प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने फिर असंभव को संभव कर दिखाया है। शांत रहें और विश्वास रखें. कतर से लौटे पूर्व नौसैनिकों के परिवार को बधाई।" तो आप समझ गए होंगे कि किस तरह से देश बदल रहा है। दरअसल, कतर के दोहा के अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज के साथ काम करने वाले भारतीय नौसेना के इन पूर्व जवानों को पिछले साल 28 दिसंबर को कतर की अपील अदालत ने राहत दी थी। अदालत ने तब अक्टूबर 2023 में इन्हें दी मौत की सजा को कम करते हुए 3 साल से लेकर 25 साल तक की अलग–अलग अवधि के लिए जेल की सजा सुनाई थी।

कतर की जेल में बंद भारतीयों की रिहाई से साफ है कि अब जहां पर भी भारतवंशी या भारतीय संकट में होते हैं तो भारत सरकार हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठती। रूस–यूक्रेन जंग के कारण हजारों भारतीय मेडिकल स्टुडेंट यूक्रेन में फंस गए थे। उन्हें भारत सरकार सुरक्षित स्वदेश लेकर आई। भारत के हजारों विद्यार्थी यूक्रेन में थे। वे वहां पर मेडिकल,डेंटल, नर्सिंग और दूसरे पेशेवर कोर्स कर रहे थे। ये रूस–यूक्रेन जंग को देखते हुए वहां से निकल कर स्वदेश आना चाहते थे। पहले तो किसी को समझ ही नहीं आ रहा था कि इतनी अधिक संख्या में यूक्रेन की राजधानी कीव और दूसरे शहरों में पढ़ रहे भारतीय नौजवानों को स्वदेश कैसा लाया जाएगा। पर इच्छा शक्ति हो तो सब कुछ संभव है।

पिछले साल अफ्रीकी देश सूडान में सेना और अर्धसैनिक बल के बीच चल रहे भीषण गृहयुद्ध के चलते वहां हालात बद से बदतर हो गए थे। ऐसे में वहां फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने को लेकर सारा देश चिंतित था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूडान में फंसे भारतीयों को जल्द से जल्द निकासी के लिए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिए। मतलब सरकार एक्शन मोड में आ गई। कुछ ही हफ्तों में वहां से सारे के सारे भारतीय सुरक्षित वापस स्वदेश आ गए। अब अफगानिस्तान में गृहयुद्ध के दिनों को याद कर लें। भारतीय वायु सेना और एयर इंडिया के विमान लगातार अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर स्वदेश आते रहे थे। काबुल में जिस तरह के हालात बन गए थे उसमें सारे भारतीयों को लेकर आना कोई छोटी बात नहीं थी। इनको ताजिकिस्तान के रास्ते दिल्ली या देश के अन्य भागों में लाया जा रहा था। कुछ विमान कतर के रास्ते भी आ रहे थे। भारत के अफगानिस्तान में दर्जनों बड़े प्रोजेक्ट चल रहे थे, इनमें अफगानिस्तान को खड़ा करने के लिए भारत हर तरह की मदद भी कर रहा था। भारत के हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट भी इस अशांत माहौल में फंस गए । इनसे हजारों भारतीय जुड़े हुए थे। इन्हीं भारतीयों को निकाला जा रहा था। भारत की तरफ से अफगानिस्तान बांध से लेकर स्कूल, बिजली घर से लेकर सड़कें, काबुल की संसद से लेकर पावर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और हेल्थ सेक्टर समेत न जाने कितनी परियोजनाओं को तैयार किया जा रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान से देश के नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने और वहां से भारत आने के इच्छुक सिखों व हिंदुओं को शरण देने का अधिकारियों को निर्देश भी दे दिये।

# एक भारत रत्न ने बदली पश्चिम यूपी की राजनीति

अशोक

कल तक विपक्ष आई.एन.डी.आई.ए. बनाकर एकजुट दिखाते हुए दिल्ली फतह करने की तैयारी में था। अब भाजपा के बिहार के बाद यूपी में किए खेल में विपक्ष के सारे समीकरण बिगड़ गए। भाजपा की इस गुगली में विपक्ष धराशाही हो गया।बिहार का अभी नितीश कुमार का भाजपा से गठबंधन का मामला ठंडा नही पड़ा था कि भाजपा ने किसान नेता चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दे दिया।इस एक भारत रत्न से भाजपा पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति का नक्शा बदलने में कामयाब हो गई।इस भारत रत्न ने पश्चिम उत्तर प्रदेश में विपक्षी एकता की पूरी तरह से जड़े हीं हिलाकर रख दीं।इस भारत रत्न से जहां भाजपा को सीधे लाभ मिलेगा, वहीं विपक्ष को भारी नुकसान होगा। पश्चिम उत्तर प्रदेश के जाटों की केंद्र में जाट आरक्षण की मांग को नुकसान होगा। पिछले काफी समय से पश्चिम उत्तर प्रदेश का जाटों का काफी तबका भाजपा से जुड़ गया था। मुजफ्फर नगर के दंगे ने इसे और एकजुट किया। राम मंदिर के नाम पर तो ये ध्रुवीकरण और हुआ।रालोद का परंपरागत वोट ही उसके पास बचा था। इस भारत रत्न के बाद भाजपा.रालोद गठबधंन से यह वोट भाजपा को लाभ ही पंहुचाएगा। अब तक का राजनैतिक दृश्य कह रहा है कि उत्तर प्रदेश में बसपा और सपा का गठबंधन नही होगा। बसपा सुप्रिमो सुश्री मायावती इसकी कई बार घोषणा कर चुकी हैं।सपा पश्चिम में रालोद के साथ मिलकर भाजपा के सम्मुख मैदान में उतरने की तैयारी में थीं।सीट भी तै हो गईं थीं कि कौन किस सीट पर चुनाव लड़ेगा,पर ये राजनीति है। इसमें अगले पल क्या हो जाए , कुछ नही कहा जा सकता। और ये हो गया। किसान नेता चौधरी चरणसिंह को भारत रत्न मिलने के बाद रालोद का भाजपा के साथ जाना सरल हो गया। रालोद के भाजपा के साथ जाने से पश्चिम उत्तर प्रदेश के पूरे ही समीकरण बदल गए। तै हो गया कि पश्चिम का भाजपा दृ रालोद में बंटा 18 प्रतिशत जाट वोट सीधा अब रालोद .भाजपा गठबंधन को जाएगा। सपा अब यहां कोई करिश्मा नही दिखा पाएगी। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस से गठबंधन से पहले इंकार कर दिया है। बाद में रालोद के साथ रहने के दौरान उन्होंने यूपी में कांग्रेस को सिर्फ 11 सीट देने की घोषणा की थी, अब बदले में हालात में रालोद के भाजपा के साथ जाने के बाद वे क्या करेंगे, यह समय ही बताएगा। अब तक कांग्रेस के सामने हेकड़ी दिखा रहे सपा सुप्रिमों अखिलेख का चुनावी समीकरण औरं गठबंधन कांग्रेस से अपनी शर्त पर होगा या कांग्रेस की ,यह अभी नही कहा जाकता, किंतु यह तै है कि अब तक का उसका कांग्रेस के प्रति कठोर रवैया जरूर मुलायम होगा। पिछले विधान सभा चुनाव में पश्चिम उत्तर प्रदेश ने सपा. रालोद गठबंधन के जाट–मुस्लिम समीकरण के बावजूद बीजेपी ने कुल 136 विधानसभा सीटों में से 94 सीटों पर कब्जा किया था। पश्चिमी यूपी की 22 जाट बहुल सीटों पर बीजेपी ने विजय हासिल की थी। पश्चिम यूपी में करीब 18 प्रतिशत जाट आबादी है, जो सीधे चुनाव पर असर डालती है. यानी जाट समुदाय का एकमुश्त वोट पश्चिमी यूपी में किसी भी दल की हार–जीत तय करता है।2019 के चुनाव में जाटलैंड की सात सीटों पर बीजेपी को हार मिली थी. बीजेपी को मुजफ्फरनगर, मेरठ समेत तीन सीटों पर काफी कम अंतर से जीत मिली थी। आरएलडी के भाजपा नीत गठबधंन एडीए के साथ आने से यहां बीजेपी की जीत की राह आसान हो जाएगी। 2009 के लोकसभा चुनाव में आरएलडी ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। किसान आंदोलन के बाद उपजे किसान आक्रोश को कम करने के लिए भाजपा ने यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में भी रालोद प्रमुख जयंत को साधने की कोशिश की थी, लेकिन वे उन्हें जोड़ने में कामयाब नहीं हो पाई। लोकसभा चुनाव में अपने मिशन को पूरा करने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जयंत चौधरी की जरूरत भाजपा को महसूस हो रही थी। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के बाद अब यह खेला पूरा हो गया। यहां लोकसभा की 27 सीटें हैं। 2019 के चुनाव में भाजपा ने 19 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, सपा–बसपा महागठबंधन को आठ सीटों पर जीत मिली थी। पश्चिमी यूपी की चार सीटों पर सपा और चार पर बसपा उम्मीदवारों को जीत मिली।हालांकि, रालोद को इस चुनाव में कोई सीट नहीं मिल सकी। जाट समाज ने भी रालोद का साथ नहीं दिया। 2014 के बाद 2019 में भी आरएलडी को निराशा ही हाथ आई थी। जाट समाज के दिग्गज नेता अजित सिंह और जयंत चौधरी भी सपा– बसपा गठबंधन के साथ रहने के बाद भी अपनी सीट नहीं बचा पाए थे। एनडीए के साथ आने से आरएलडी की उम्मीदें बढ़ती दिख रही हैं। फायदा भाजपा को भी होना तय माना जा रहा है किंतु ये भी निश्चित है कि इस गठबंधन से शून्य पर पंहुची रालोद को भी संजीवनी मिलेगी।पश्चिमी यूपी की 27 लोकसभा सीटों का गणित भाजपा– आरएलडी गठबंधन के बाद बदलना तय माना जा रहा है। जयंत चौधरी की स्वीकार्यता हिंदू और मुस्लिम दोनों समाज में है। चौधरी चरण सिंह ने किसानों के बीच अपनी राजनीति शुरू की थी।

# उच्च पद पर बैठे लोगों ने राज्य और धर्म को अलग रखा

आदित्य

एस्कॉर्ट करते समय (चलते हुए, जैसा कि वह आग्रह करेंगे) राष्ट्रपति के.आर. मुगल गार्डन में नारायणन, जब इसे अभी भी कहा जाता था, कोई भी उन विषयों पर चर्चा कर सकता था जिन्हें अन्यथा सीमा से बाहर माना जा सकता था। संवैधानिक औचित्य, संवेदनशीलता और नैतिकता पर इस सबसे प्रबुद्ध दिमाग की कार्यप्रणाली में अनफिल्टर्ड अंतर्दृष्टि प्राप्त करना हमेशा एक विशेषाधिकार था। राष्ट्रपति के.आर. नारायणन स्पष्टवादी, आत्मविश्वासी और सवाल करने के लिए बेहद खुले थे। वह अपने सार्वजनिक कर्तव्य के हिस्से के रूप में जवाबदेही और जिम्मेदारी के सिद्धांतों के प्रति स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध थे। उन्होंने पारदर्शिता लाने के लिए राष्ट्रपति भवन की विज्ञप्तियों की शुरुआत की थी और कठिन सवाल पूछने के लिए जाने जाने वाले एक मुखर संपादक को अपना साक्षात्कार लेने की अनुमति दी थी। वह विदेश में प्रश्नों के लिए खुले रहते थे और उस समय की सरकार को आवश्यक जांच–और–संतुलन संदेश के हिस्से के रूप में, अपने स्वयं के संचार पर काम करने के लिए जाने जाते थे। जब भी उन्हें लगा कि संवैधानिक नैतिकता खतरे में है, उन्होंने धीरे से असहमति जताई, यद्यपि, जैसा कि उन्होंने कहा, "संवैधानिकता की चार दीवारों के भीतर"। वह "प्रथम दलित राष्ट्रपति" जैसे कृपालु और संरक्षण देने वाले लेबल से स्पष्ट रूप से असहज थे, क्योंकि राजनेताओं को मौजूदा सामाजिक मानदंडों के अनुसार व्यक्तियों को वर्गीकृत करना और व्यक्तियों को "रबर स्टांप" तक कम करना पसंद था। इसके बजाय, लेखक ने राष्ट्रपति भवन की अपनी यात्रा के महत्व को एक संपन्न लोकतंत्र में समानता की गवाही के रूप में बताया, जहां "मेरा जीवन समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों को समायोजित करने और सशक्त बनाने की लोकतांत्रिक प्रणाली की क्षमता को समाहित करता है"। उन्हें दिए गए निरर्थक लेबल उस व्यक्ति के लिए अपर्याप्त और निरर्थक थे, जो एक पेशेवर के रूप में अपनी योग्यता, निष्ठा और सरासर प्रतिभा के कारण देश में सबसे महत्वपूर्ण पदों पर थे। अपनी युवावस्था में अकल्पनीय सामाजिक–आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में हेरोल्ड लास्की के पसंदीदा छात्र भारतीय विदेश सेवा में शामिल हो गए और देश के "सर्वश्रेष्ठ राजनयिक" के रूप में प्रतिष्ठित हुए।

उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और अन्य जगहों पर राजदूत पदों पर काम किया और बाद में विद्वान अकादमिक दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में पढ़ाने से लेकर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलपति बनने तक चले गए। उन्होंने केरल (वामपंथी गढ़ होने के बावजूद) से लगातार तीन बार लोकसभा जीतकर और फिर केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होकर अपनी राजनीतिक बढ़त हासिल की। निर्वाचक मंडल में सबसे अधिक अंतर से राष्ट्रपति चुनाव जीतने से पहले, नारायणन ने उपराष्ट्रपति बनकर सभी संभावित कार्यालयों का चक्र पूरा किया। ऐसी त्रुटिहीन उपलब्धियों के साथ, नारायणन किसी के प्रति या किसी पक्षपातपूर्ण विचारधारा के प्रति आभारी नहीं थे, बल्कि केवल अपनी अंतरात्मा और उस पुस्तक के प्रति, जिसे वह वास्तव में सबसे पवित्र मानते थेरू भारत का संविधान।एक शाम, जब मैं उसे ले जा रहा था, मैंने पूछा कि वह धार्मिक स्थानों पर जाने या देवताओं या प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेताओं से मिलने से क्यों बचता है? मुझे स्पष्ट रूप से याद है कि अप्रत्याशित प्रश्न का उत्तर देने में उन्हें कुछ सेकंड से अधिक समय लगा। कुछ सेकंड तक चुपचाप चलने के बाद, वह रुके और स्वीकार किया कि उन्होंने ऐसा करने से परहेज किया क्योंकि उन्हें लगा कि संविधान और इसकी उच्च भावना के विवेक–रक्षक के रूप में, यह शायद सबसे अच्छा था। फिर उन्होंने धार्मिकता के अचेतन, लंबे समय तक चलने वाले और परस्पर विरोधी घावों की ओर इशारा किया जो स्वाभाविक रूप से 5,000 साल की सभ्यता में मौजूद हैं, और एक संवैधानिक व्यक्ति के रूप में, यह महत्वपूर्ण था कि वह परस्पर विरोधी धारणाओं के किसी भी पक्ष को महत्व नहीं दे रहे थे। हर धारणा समान रूप से मायने रखती है। उनके लिए कल्पित अतीत भविष्य की प्रगति को पटरी से उतार सकता है। के.आर. नारायणन वह दुर्लभ व्यक्ति थे जो अपने कार्यकाल के दौरान किसी भी धार्मिक स्थान पर नहीं गए या किसी भी धार्मिक आयोजन में कोई भूमिका नहीं निभाते हुए, अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं के बारे में बात करते रहे। वह प्रकाशिकी की शक्ति के प्रति पूरी तरह सचेत थे और इसका उपयोग केवल समावेशिता, उपचार और सुधारों का सुझाव देने के लिए करते थे। उनकी निर्विवाद पृष्ठभूमि एक तथ्य थी, और फिर भी यह कड़वाहट, सुविधाजनक आह्वान या यहां तक कि प्रशंसा का साधन नहीं थी, बल्कि केवल भारतीय संविधान के साथ संभावनाओं की शक्ति को दोहराने के लिए थी, अगर ईमानदारी से इसका पालन किया जाए। उन्होंने संविधान के कुछ हिस्सों को खध्त्म करने के संशोधनवाद, पुनर्कल्पना और पुनर्व्याख्या का प्रसिद्ध रूप से यह कहते हुए विरोध किया थारू "क्या संविधान ने हमें विफल कर दिया है या हमने संविधान को विफल कर दिया है?"। भारत के पास तब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में एक समान रूप से प्रतिबद्ध संविधानवादी थे, जिन्होंने नारायणन के सूक्ष्म संदेश के महत्व को पहचानते हुए, चुपचाप बड़बड़ाहट को दबा दिया था। ऐसी स्थिति में जो अब अकल्पनीय लगती है, के.आर. नारायणन ने अक्सर पीएमओ को चिंताएं व्यक्त कीं और इन्हें दो लोगों द्वारा संभाला गया जो वास्तव में स्वस्थ असहमति की आवश्यकता में विश्वास करते थे और दिन के अंत में मानते थे कि वे एक ही टीम में थे। यदि एक के पास अभिव्यक्ति में संवैधानिक शुद्धता की बाधाएं थीं।

# उत्तराखंड फिसलन भरी और खतरनाक राह पर चल रहा

ललित

यदि आप पुरुष या महिला हैं, और "लिव–इन" रिलेशनशिप में हैं या उत्तर भारत के पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में रहने की योजना बना रहे हैं, तो कुछ चुनौतियाँ आपके सामने आ सकती हैं। 6 फरवरी, 2024 को, उत्तराखंड विधान सभा ने एक समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किया, जिसमें सभी नागरिकों के लिए उनके धर्म की परवाह किए बिना विवाह, तलाक, भूमि, संपत्ति और विरासत कानूनों के लिए कोड शामिल थे। यह आदिवासी समुदायों पर लागू नहीं होगा. यह विधेयक 7 फरवरी को राज्य विधानसभा द्वारा पारित किया गया था और जब राज्य के राज्यपाल अपनी सहमति दे देंगे तो यह कानून बन जाएगा। यूसीसी 2022 के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणापत्र का एक प्रमुख वादा था। विधेयक की तैयारी में, उत्तराखंड सरकार ने एक विशेष पैनल बनाया, जिसने 2. 5 लाख से अधिक लिखित और ऑनलाइन सुझाव मांगने और एकत्र करने के बाद 740 पेज का मसौदा तैयार किया, कई सार्वजनिक मंच आयोजित किए और 60,000 से अधिक लोगों से बातचीत की। बिल तैयार किया. यूसीसी का अधिदेश व्यक्तिगत कानून बनाना और लागू करना था जो धर्म, लिंग और यौन अभिविन्यास की परवाह किए बिना सभी नागरिकों पर लागू हों। वर्तमान में, विभिन्न धार्मिक समुदायों के व्यक्तिगत कानून धर्मग्रंथों द्वारा शासित होते हैं और विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने और रखरखाव को कवर करने वाले सार्वजनिक कानून से अलग होते हैं। जबकि भारत के संविधान का अनुच्छेद 25–28 भारतीय नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है और धार्मिक समूहों को अपने मामलों को बनाए रखने की अनुमति देता है, संविधान का अनुच्छेद 44 भारतीय राज्य से अपेक्षा करता है कि वह राष्ट्रीय नीतियां बनाते समय सभी नागरिकों के लिए निदेशक सिद्धांतों और सामान्य कानून को लागू करे। प्रस्तावित विधेयक में बहुविवाह और बाल विवाह पर पूर्ण प्रतिबंध का प्रस्ताव हैय सभी धर्मों में लड़कियों के लिए एक सामान्य विवाह योग्य आयु और तलाक के लिए मानक प्रक्रियाएंय बेटों और बेटियों के लिए समान संपत्ति का अधिकारय वैध और नाजायज बच्चों के बीच अंतर को खध्त्म करनाय मृत्यु के बाद समान संपत्ति अधिकार और गोद लिए गए और जैविक बच्चों को शामिल करनाय और "लिव–इन" रिश्ते से पैदा हुए बच्चे की वैधता। एक प्रतिगामी प्रस्ताव "लिव–इन" रिश्तों के संबंध में है, जहां पुरुष और महिलाएं शादी के बिना एक साथ रहने के लिए सहमत होते हैं। यूसीसी प्रस्ताव के अनुसार, ऐसे रिश्ते में साझेदारों के लिए अपने अधिकार क्षेत्र में रजिस्ट्रार को एक बयान जमा करना अनिवार्य होगा। रजिस्ट्रार यह सुनिश्चित करने के लिए एक "सारांश जांच" करेगा कि यह रिश्ता धारा 380 के तहत उल्लिखित किसी भी श्रेणी के अंतर्गत नहीं आता है, जहां कम से कम एक व्यक्ति नाबालिग है, पहले से ही शादीशुदा है या "लिव–इन" रिश्ते में है। विवरण प्रस्तुत नहीं करने वालों को तीन महीने तक की कैद या 10,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों होंगे। यदि संबंध समाप्त किया जाता है, तो रजिस्ट्रार को भी एक बयान के साथ सूचित करना होगा। परित्याग के मामलों में, "लिव–इन" रिश्ते में रहने वाली महिला सक्षम अदालत के माध्यम से अपने साथी से भरण–पोषण का दावा कर सकती है। यह न तो आवश्यक है और न ही वांछनीय. यह पहले से ही अक्षम और भ्रष्ट नौकरशाही पर एक बोझ है और मानता है कि अगर रिश्ता खत्म हो जाए तो महिलाएं आर्थिक रूप से अपना ख्याल नहीं रख सकतीं। एक "लिव–इन" संबंध दो भागीदारों के बीच समानता मानता है, व्यवस्थित विवाह के विपरीत जहां पुरुषों से महिलाओं के लिए रोटी–विजेता और संरक्षक होने की उम्मीद की जाती है। राज्य का दावा है कि ऐसे "लिव–इन" रिश्तों में महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार, या पुरुषों द्वारा उन्हें छोड़ देने के परिणाम ने ऐसे तंत्र के प्रस्ताव को प्रेरित किया है। हालाँकि, "लिव–इन" रिश्तों में, दो लोग, स्वतंत्र रूप से और स्वेच्छा से, एक साथ आते हैं क्योंकि वे शादी करना चाहते हैं और इसके लिए तैयार नहीं हैं। यदि इरादा इन रिश्तों में महिलाओं की रक्षा करने का है, तो प्रस्तावित उपाय उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेंगे और जब ये रिश्ते टूट जाएंगे, तो राज्य की सहायता के बिना, उन्हें भंग किया जा सकता है और किया जाएगा। जब भी राज्य को लाया गया है, संकल्पों का रिकॉर्ड उतना अच्छा नहीं रहा है। तो, ऐसा प्रतीत होता है कि यदि महिलाएं (और इस तरह पुरुष) चाहती हैं कि राज्य उन्हें रिश्तों में दुर्व्यवहार से बचाए, और उन्हें अपनी गोपनीयता छोड़नी होगी और अपनी कमियों और कमियों को जानते हुए, उनकी रक्षा के लिए राज्य और कानून की ओर देखना होगा। घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम जैसे कानून के बावजूद, हिंसा की घटनाएं बहुतायत में हैं। कानून को लागू करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद नहीं है, और लिव–इन रिलेशनशिप के लिए यूसीसी प्रस्ताव के मामले में भी ऐसा ही होगा। तो, इसके बदले क्या चाहिए? यह स्वीकार करते हुए कि भारतीय समाज और विवाह तथा रिश्तों की संस्था बदल रही है, स्कूलों, कॉलेजों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक क्षेत्र में रिश्तों के बारे में अधिक शिक्षा और जानकारी होनी चाहिए।

# सेना बनाम जनता – पाक चुनाव में कोई विजेता नहीं

आसिफ

8 फरवरी को पाकिस्तान के आम चुनाव ने खंडित फैसला पेश किया है। सैद्धांतिक तौर पर देश की सेना को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के प्रति वफादार तत्वों को छोड़कर गठबंधन सरकार से खुश रहना चाहिए। लेकिन परिणाम अधिक नाटकीय रहा है और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने जो सौदेबाजी की थी, उसकी तुलना में परिणाम कम पूर्वानुमानित थे। दो उल्लेखनीय घटनाक्रम हैं। सबसे पहले, जनरल मुनीर की सार्वजनिक टिप्पणी कि पाकिस्तान की सरकार को "स्थिर हाथों" में रहने की जरूरत है और "अराजकता और ध्रुवीकरण" को समाप्त करना होगा। यह अनावश्यक सार्वजनिक नैतिकता थी जब पाकिस्तानी सेना चुनाव पूर्व राजनीतिक घटनाक्रम का संचालन कर रही थी। इमरान खान और प्रमुख सहयोगियों को झूठे आरोपों में जेल में डाल दिया गया है, उनके राजनीतिक कार्यकर्ताओं को परेशान किया गया है और उनकी पार्टी पीटीआई को अलग कर दिया गया है। दूसरा, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ द्वारा सार्वजनिक चेतावनी कि चुनाव के संचालन में अनियमितताओं, हस्तक्षेप और कथित धोखाधड़ी की जांच की जानी चाहिए। यह जनता का पाखंडी रुख लगता है क्योंकि वे शायद ही चाहते हैं कि इमरान खान दोबारा सत्ता में आएं। वे शायद ही इमरान खान की पाकिस्तानी विदेश नीति के अपहरण को भूल सकते हैं, खासकर यूक्रेन युद्ध शुरू होने के दिन ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से दोस्ती करने के लिए उनकी मास्को यात्रा। पाकिस्तान में चुनावी ड्रामा जारी है. मतदान समाप्त होने के 48 घंटे बाद भी 10 सीटों के नतीजे घोषित नहीं किये गये हैं। परिणामों में हेरफेर का आरोप लगाते हुए कई दावे दायर किए गए हैं, या तैयारी में हैं, जिन्हें कथित तौर पर इमरान समर्थक स्वतंत्र उम्मीदवारों द्वारा भारी बढ़त मिलने के बाद बदल दिया गया था। इस बार लगभग 47 प्रतिशत मतदान हुआ है, जबकि 2018 के चुनाव में यह 51.1 प्रतिशत था। थोड़े–बहुत बदलाव के साथ पार्टी–वार घोषित सीटें इस प्रकार हैंरू पीएमएल (एन) 75य पीपीपी 54य 96 के आसपास निर्दलीय (ज्यादातर इमरान खान समर्थक)य और अन्य 31. हालाँकि पाकिस्तान नेशनल असेंबली में 336 सदस्य हैं, लेकिन चुनाव 266 सीटों के लिए होते हैं। इसके बाद आनुपातिक आधार पर 60 सदस्यों को नामांकित किया जाता है, जिसमें 50 महिलाएं और 10 अल्पसंख्यक सदस्य होते हैं। समस्या यह है कि इमरान खान के वफादारों ने अपनी पार्टी का चुनाव चिन्ह न मिलने के बाद निर्दलीय के रूप में जीत हासिल की है। आनुपातिक ऐड–ऑन निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। अब ध्यान इस बात पर केंद्रित हो गया है कि आगे क्या होगा। जाहिर है, गठबंधन सरकार अपरिहार्य है क्योंकि किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ, चौथे कार्यकाल के लिए प्रयास कर रहे हैं, गठबंधन बनाने के लिए भुट्टो–जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के साथ–साथ सिंध स्थित एमक्यूएम से संपर्क कर रहे हैं। पीपीपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बिलावल भुट्टो–जरदारी ने दावा किया है कि उनके बिना इस्लामाबाद और महत्वपूर्ण प्रांतों में कोई सरकार नहीं बन सकती। पीटीआई के अध्यक्ष गौहर अली खान ने इस्लामाबाद और पंजाब में सरकार बनाने की क्षमता का दावा किया। उनकी पार्टी ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में चुनाव में जीत हासिल की है। उनके वफादार, हालांकि स्वतंत्र उम्मीदवार हैं, राष्ट्रीय संसद में बाकी लोगों से अधिक हैं। हालाँकि, सेना पीटीआई के गठबंधन निर्माण को विफल करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएगी। इमरान खान और शाह महमूद कुरेशी के खिलाफ आपराधिक मामलों के चलते पीटीआई के पास प्रधानमंत्री पद के लिए किसी अन्य विश्वसनीय उम्मीदवार की कमी हो सकती है। इसके बजाय वे चतुराई से बिलावल को प्रधान मंत्री बनाने के लिए पीपीपी को समर्थन की पेशकश कर सकते थे। आखिरकार, उनकी मां बेनजीर भुट्टो की हत्या तब कर दी गई जब सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ उनका समझौता खध्राब हो गया। उस षडयंत्र का कभी भी विश्वसनीय ढंग से पर्दाफाश नहीं हो सका। हालाँकि, पीपीपी को एहसास होगा कि पीटीआई के साथ किसी भी समझौते का मतलब है कि गठबंधन को इमरान खान के कानूनी और राजनीतिक बोझ, विशेष रूप से पाकिस्तान के "डीप स्टेट" की दुश्मनी विरासत में मिलेगी। अधिक संभावित परिणाम पीएमएल (एन) और पीपीपी के बीच प्रधान मंत्री के रूप में नवाज शरीफ के साथ सत्ता–साझाकरण है। वे एक साझा कार्यकाल के लिए समझौता कर सकते हैं, हालांकि ऐसे सौदे तब पटरी से उतर जाते हैं जब पहला कब्जाधारी अपने कार्यकाल के बीच में सत्ता सौंपने से इनकार कर देता है। भुट्टो–जरदारी कबीले को यह भी चिंता होगी कि भले ही नवाज शरीफ बूढ़े और शारीरिक रूप से अक्षम हों, लेकिन उनकी बेटी और उत्तराधिकारी मरियम प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बिलावल भुट्टो जरदारी के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए शक्ति मजबूत कर सकती हैं। जनरल असीम मुनीर और उनके वरिष्ठ सहयोगी निश्चित रूप से ऐसे गठबंधन में त्वरित परिवर्तन पसंद करेंगे जो मुखर हुए बिना कार्यात्मक हो। राष्ट्रपति के उप सचिव के रूप में इस लेखक को याद है कि जब मार्च 1987 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल जिया–उल हक ने राष्ट्रपति जैल सिंह से मुलाकात की थी, तो पाकिस्तान के पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में नवाज शरीफ उनके साथ थे। 1988 में राष्ट्रपति जिया–उल हक की मृत्यु ने नवाज शरीफ के लिए उच्च पद तक पहुंचने का रास्ता खोल दिया। वह 1990 में प्रधान मंत्री बने, लेकिन उन्हें मध्य कार्यकाल से बाहर कर दिया गया। वह 1997 में इस पद पर लौटे, यहां तक कि उन्होंने 1998 में अपने सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को भी चुना। दो साल बाद भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने को लेकर दोनों के बीच मतभेद हो गए, जिसके कारण कारगिल युद्ध हुआ और जनरल द्वारा किए गए तख्तापलट में उन्हें हटा दिया गया। मुशर्रफ. इसलिए, नवाज शरीफ सतर्क ऐतिहासिक ले को जानते हैं।

# नए सिद्धांत को विकसित करने में ईएफए प्रभावशाली टुल्स - प्रो. एस. एम. खान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में चल रहे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो साप्ताहिक कार्यशाला को प्रोफेसर एस. एम खान अलीगढ़ विश्वविद्यालय ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया।

उन्होंने कहा कि कनफरमेंटरी फैक्टर एनालिसिस( सीएफए) माडल और एसपोरेटरी फैक्टर एनलासिस ( ईएफए) प्रभावशाली और बहुमुखी टूल हैं जिससे आपके डेटा को समझने और सरल बनाने, चर की संख्या को कम करने और अव्यक्त कारकों की पहचान करने में आपकी सहायता कर सकते हैं। उन्होंने बताया ऐसे टूल शोधकर्ता को विभिन्न मॉडलों का परीक्षण करने उनके संकेतकों की वैधता और विश्वसनीयता को मापने के साथ–साथ नई अंतर्दृष्टि खोजने की भी अनुमति देते हैं।

वही सीएफए और ईएफए के बीच चयन आपके शोध प्रश्न, आपके डेटा और आपके मॉडल पर निर्भर करता है। आम तौर पर, आप सीएफए का उपयोग तब करते हैं जब आपके पास अपने मॉडल के लिए एक मजबूत सैद्धांतिक या अनुभवजन्य आधार होता है, और आप इसकी वैधता और विश्वसनीयता का परीक्षण करना चाहते हैं।

आप ईएफए का उपयोग तब करते हैं जब आपको अपनी डेटा संरचना के बारे में कोई पूर्व ज्ञान नहीं है या बहुत कम है, और आप इसके आयामों और पैटर्न का पता लगाना चाहते हैं। और ये हमे बेहतर निर्णय लेने में मदद करता हैं। मूलतः नए सिद्धान्त को विकसित करने में ऐसे शोध बहुत सहायक होते हैं। इसके लिए खुशी को मापने का उदाहरण देते हुए उसके विभिन्न आयामों व उसकी वैधनिकता को विस्तार पूर्वक समझाया। इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. मनोज पांडेय, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, अनुपम, श्रुति श्रीवास्तव, दीपक कुमार यादव, एजाज अहमद, डॉ. दया सिंधु, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. कपिलदेव, डॉ. वीरेंद्र कुमार साहू, डॉ. दीपक कुमार दास प्रतिमा मौर्या आदि उपस्थित थीं।

# आयोजित रोजगार मेले में 137 को मिला सेलेक्शन, 325 ने किया प्रतिभाग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर विकास खण्ड सिरकोनी के परिसर में 13 फरवरी 2024 दिन मंगलवार को विकास खण्ड स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया, जिसमें 325 से अधिक युवाओं ने प्रतिभाग किया। साक्षात्कार में 137 सफल प्रतियोगियों का चयन मौके पर उपस्थित कंपनियों द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख बंसराज सिंह, विशिष्ट अतिथि बीडीओ रेनू चौधरी ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के विजन कौशल विकास मिशन द्वारा विकास खण्ड स्तर पर आयोजित रोजगार मेला से बेरोजगारों को अत्यधिक लाभ मिल रहा है। आज के युवा को इस रोजगार मेला की अत्यधिक आवश्यकता है।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, जिला सेवायोजन विभाग व कौशल विकास मिशन के सयुक्त तत्वाधान में विकास खण्ड स्तरीय निःशुल्क रोजगार मेला का आयोजन कराया जा रहा है। जो कि 4 मार्च 2024 तक सभी ब्लाक में क्रमशः लगाया जाएगा। सिरकोनी ब्लॉक में आयोजित रोजगार मेला में विभिन्न क्षेत्रों की 8 कंपनियों ने साक्षात्कार करके 137 अभ्यर्थियों का चयन किया। इस अवसर पर जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन जौनपुर मनीष पॉल, मंडल अध्यक्ष सिरकोनी रमेश चंद्र जायसवाल मेला प्रभारी प्रभात पांडेय, अनूप पांडेय समेत कौशल विकास संबंधित सभी कंपनियों के एच0आर0 उपस्थित रहे। अगला रोजगार मेला 14 फरवरी 2024 दिन बुधवार को सिकरारा ब्लॉक जौनपुर में आयोजित किया जाएगा

# यू.पी. प्रेस क्लब में लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की प्रेस वार्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वर्तमान में तख्त श्री हजूर साहिब के गुरुद्वारा एक्ट 1956 को परिवर्तित करने पर की गई जिसमें लखनऊ के अधिकांश सिख प्रतिनिधित्व उपस्थित था।

सरदार राजेंद्र सिंह बग्गा अध्यक्ष लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अवगत कराया कि 1956 का गुरुद्वारा एक्ट जो विशेष तौर से तख्त श्री हजूर साहिब के कार्यकारिणी कमेटी के लिए आयोजित किया गया था उसको



संशोधित कर 2024 एक्ट महाराष्ट्र सरकार द्वारा अनुमोदित करने पर पूरे विश्व के सिखों एवं गुरु नानक नाम लेवा संगत में रोष उत्पन्न हुआ है। लखनऊ गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी के महामंत्री स. हरपाल सिंह जग्गी ने अवगत कराया कि तख्त श्री सचखंड हूजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र की 1956 के एक्ट के अनुसार पूर्व में 17 सदस्यों वाली गठित कमेटी जिसमें प्रमुख सिख संगठन जो महत्वपूर्ण स्थान सिख समाज में रखते हैं की भूमिका होती थी में 6 सदस्य महाराष्ट्र सरकार द्वारा नामित, 4 सदस्य SGPCद्वारा नामित, 3 सदस्य हजूरिया खालसा द्वारा नामित, 2 सिख डच, 1 तेलंगाना एवम 1 इंदौर से होता था। इन्हीं 17 द्वारा अध्यक्ष की नियुक्ति की जाती थी। 2024 में महाराष्ट्र सरकार ने बड़ी चतुराई से हजूर साहिब का यह एक्ट सदन से अनुमोदित कर संशोधित कर दिया और बिना सिखों के उचित प्रतिनिधित्व के कमेटी का सरकारीकरण कर दिया गया है, जिसमे सीधे 12 सदस्यों की भागीदारी महाराष्ट्र द्वारा नामित सदस्यों से कर दी गई है। इस एक्ट अनुसार 12 सदस्य महाराष्ट्र से, 2 SGPC द्वारा नामित एवं केवल 3 सदस्य स्थानीय नादेड़ के लिये होंगे। इस प्रकार अब ना अब कोई सिख एम पी की सदस्यता होगी और ना पंथ खालसा हजूरिया की। अध्यक्ष का चयन भी अब केवल महाराष्ट्र से ही होगा। इससे स्पष्ट है महाराष्ट्र सरकार अपना सम्पूर्ण नियंत्रण हजूर साहिब पर चाहती है जो असंवैधानिक है। सरदार सतपाल सिंह मीत प्रवक्ता ने अवगत कराया की SGPC एवम हजूर साहिब द्वारा सिंह साहिब हजूर साहिब कुलवंत सिंह जी की अगुवाई मे रोष प्रदर्शन किया गया।

दिल्ली एवम अन्य शहरों मे भी रोष प्रदर्शन किये जा रहे हैं। इस संदर्भ में लखनऊ गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से एक ज्ञापन भी मुख्यमंत्री महाराष्ट्र को दिया जाएगा। जिसमे मांग की जाएगी कि 2024 के एक्ट को सरकार निरस्त करके 1956 के एक्ट को बहाल करें।

# एसएसबी जवान ने पंखे से लटककर की खुदकुशी, सरकारी आवास में मिला शव

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर जिले में चिलुआताल इलाके के उर्वरकनगर में शनिवार रात सरकारी आवास में एसएसबी के उप निरीक्षक अशोक सिंह (51) ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। रविवार सुबह जब घरवालों का फोन नहीं उठा तो उन्होंने अफसरों को सूचना दी। साथी कर्मचारी मौके पर गए और खिड़की तोड़कर देखा तो फंदे से शव लटका था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पारिवारिक कलह में खुदकुशी की आशंका जताई जा रही है। जम्मू–कश्मीर के राजौरी निवासी अशोक सिंह सीमा सुरक्षा बल में उप निरीक्षक पद पर गोरखपुर मुख्यालय में कार्यरत थे।

# प्रवर्तन दल की सख्ती के चलते, हो रहा जुर्माना व एफआईआर'



'सुल्तानपुर'। मौका देखकर चौका और छक्का लगाने वाले वन माफिया/तथाकथित ठेकेदारों के चेहरें से वन विभाग द्वारा गठित प्रवर्तन दल/उड़नदस्ता मेकप उतारने में जुट गया है, अबतक की कार्यवाही में लाखों का जुर्माना करने के साथ बेशकीमती लकडियों का जखीरा पकडा जा चुका है,साथ ही कई वन माफियाओं पर वन अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा भी पंजीकृत किए गए है,डीएफओ डीके त्रपाठी की सख्ती और एसडीओ का गजब का नेत्तृव आखिर सोने वाले वन कर्मियों को नींद से जागने और वन माफियाओं पर कार्यवाही के प्रतिशत बढाध्ने के लिए मजबूर कर दिया है।बीते रविवार को बंधुआकलां व धमौर थाना क्षेत्र के वन माफियाओं पर सदर रेंज ने आखिर कार्यवाही के रूप में छः हजार पांच सौ रू.का जुर्माना लगाया है। बधुंआकलां थाना क्षेत्र के हसनपुर ग्रामसभा के सुरेंद्र व धमौर थाना क्षेत्र के सन्ने द्वारा अवैध रूप से नीम के वृक्ष को काटकर लेकर भाग निकले थे,सूचना पर प्रवर्तन दल व सदर रेंज ने आखिर में वन माफिया को दबोच लिया और जुर्माना करते हुए आगे की कार्यवाही में जुटा हुआ है,इसी तरह सीएचसी भदैयां अंतर्गत आयुष मंदिर परिसर में एक सूखा शीशम बगैर सरकारी औपचारिकताएं पूर्ण किए काट दिया,मौके पर प्रवर्तन दल प्रभारी पहुंचकर वैल्यूशन तैयार करने से पहले सीएचसी अधीक्षक द्वारा मुकदमा पंजीकृत करवाने के लिए निर्देशित किया,तब जाकर एफआईआर दर्ज हुई, प्रवर्तन दल प्रभारी ने बताया की आगे की कार्यवाही प्रचलित है।

# 'बल्दीराय क्षेत्र पंचायत की बैठक में 3 करोड़ 15 लाख का बजट अनुमोदित'

सुल्तानपुर। क्षेत्र पंचायत बल्दीराय की बैठक सोमवार को ब्लॉक सभागार में हुई।मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा ने विकास कार्यों में बजट की कमी आड़े न आने देने की बात कही। विशिष्ट अतिथि एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बैठक हर माह की जानी चाहिए,ताकि विकास कार्यों को रफ्तार मिले और निगरानी भी होती रहे। इसमें वित्तीय–वर्ष 2024–25 में ब्लॉक क्षेत्र में क्षेत्र पंचायत से तीन करोड़ 15 लाख से विकास कार्य कराने का बजट अनुमोदित किया गया। वहीं, जनप्रतिनिधियों की ओर से आवास,मनरेगा,शौचालय व पेंशन से जुड़े मामले भी उठाए गए।बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र पंचायत के विकास में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अहम है। सभी पूरी तत्परता से कार्य करें,जिससे कि ब्लॉक विकास के दिशा में मॉडल बन सके। खंड विकास अधिकारी सत्य नारायण सिंह ने कहा कि समग्र प्रयास से ही ब्लॉक को मॉडल बनाने में सफलता मिलेगी।ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य ऐसे कार्यों पर विशेष जोर दें जिसे पूरे समुदाय को लाभ प्राप्त हो सके। मनरेगा के कार्यों से अधिक से अधिक श्रमिकों को लाभान्वित किया जाए। आवास व पेंशन योजना का लाभ पात्रता के आधार पर जरुरतमंदों को दिलाया जाए।जिला पंचायत सदस्य बद्रीनाथ यादव ने बिजली बिल में अनियमितता,प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना,पेंशन के संदर्भ में लापरवाही का आरोप लगाया। और ब्लॉक कर्मियों के अनुपस्थित रहने का मुद्दा भी उठाया।इस दौरान तहसीलदार घनश्याम भारतीय,चिकित्सा प्रभारी डॉ रमेश यादव,डॉ नन्द लाल यादव,थानाध्यक्ष आरबी सुमन,भाजपा मंडल अध्यक्ष राजधर शुक्ला, दिलीप सिंह, एडीओ आईएसबी शिवकुमार, जिला पंचायत सदस्य नरेश चंद्र उपाध्याय उर्फ दीपू,जिला पंचायत सदस्य बद्रीनाथ यादव,प्रधान कमाल खान, प्रधान बलराम यादव, प्रधान श्रीपाल पासी, बीडीसी सदस्य हरि कृष्ण शुक्ला, श्रीकांत शर्मा, महमूद अंसारी, तनवीर आलम,अब्दुल्ला रहमान,सीडीपीओ राजवती सिंह,सचिव रवि सिंह,रोहित चन्द्रा,चंदन गुप्ता,दीप्ति यादव,प्रधान प्रतिनिधि दुर्गेश सिंह,राजा सिंह,श्याम नारायण सोनकर,सचिव अरविंद सिंह,घनश्याम यादव,राहुल यादव, प्रधान रिजवान अहमद, प्रधान अजय कुमार साहू, प्रधान राम मनोरथ वर्मा, प्रधान प्रतिनिधि गुलाम मोहम्मद उर्फ बब्बू, प्रधान कुसुम यादव, गुंजन आदि मौजूद रहे।

# ग्राम्य विकास अधिकारी की गलती– पीएफ अंशदान जमा नहीं, 16 करोड़ वसूले

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर, बस्ती और श्रावस्ती मंडल के 11 जिलों में ग्राम्य विकास विभाग की लापरवाही के चलते करीब 50 हजार से अधिक मनरेगा कर्मियों के दो वर्षों के पीएफ का अंशदान जमा ही नहीं हुआ। यह रकम करीब 16 करोड़ रुपये है। कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय ने नोटिस पर संज्ञान नहीं लेने के बाद 7–ए के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए 15.71 करोड़ रुपये वसूल लिए हैं। बस्ती और देवरिया में पीएफ का अंशदान जमा नहीं हो पाया है। वहां भी अंशदान वसूलने की प्रक्रिया शुरू करा दी है। जानकारी के मुताबिक, वर्ष अप्रैल 2015 से मनरेगा कर्मचारियों को कर्मचारी भविष्य निधि के दायरे में लाया गया। इसके बाद ग्राम्य विकास विभाग को निर्देशित किया गया कि मनरेगा के अंतर्गत कार्यरत मनरेगा श्रमिकों, लेखा सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सेवकों के साथ ही अन्य संविदा कार्मिकों का भविष्य निधि अंशदान जमा कराएं। लेकिन ग्राम्य विकास विभाग ने इस आदेश को नजरअंदाज कर दिया और कर्मियों के भविष्य निधि का अंशदान जमा नहीं कराया। इसके बाद कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय ने नोटिस जारी किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। फिर कर्मचारी भविष्य निधि के क्षेत्रीय कार्यालय ने गोरखपुर, श्रावस्ती, बहराइच, संतकबीरनगर, बलिया, बलरामपुर, कुशीनगर, गोंडा, सिद्धार्थनगर, देवरिया और बस्ती जिले के ग्राम्य विकास विभाग के विरुद्ध कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम की धारा–7 ए के अंतर्गत कार्रवाई की। करीब 15.96 करोड़ की राशि का निर्धारण किया गया और सभी ग्राम्य विकास विभाग को निर्देशित किया गया कि निर्धारित धनराशि को कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय में जमा कराया जाए। इसके बाद भी ग्राम्य विकास विभाग की ओर से बकाया धनराशि जमा नहीं कराई गई।

# मोदी जी की विकासोन्मुखी योजनाओं से देश का किसान वर्ग हुआ है लाभान्वित - नरेन्द्र उपाध्याय



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भाजपा किसान मोर्चा के नेतृत्व में बदलापुर में ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ हुआ।उपस्थित पदाधिकारियों व किसानों को संबोधित करते हुए किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र उपाध्याय ने मोदी सरकार व योगी सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए ग्राम परिक्रमा यात्रा में बढ़चढ़कर शिरकत करने का आवाह्न किया!कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गंगा प्रसाद सिंह,विशिष्ट अतिथि उन्नत कुमार सिंह,विनोद शर्मा,जिला महामंत्री इन्द्रसेन सिंह व प्रदीप यादव,संदीप सिंह,सौरव सिंह,संचालन घनश्याम यादव,अखंड प्रताप, लवकुश सिंह, आदित्य सिंह, संतोष सिंह,सूरज उपाध्याय,राज सिंह,रमेश यादव,निर्भय सिंह,राहुल दुबे,ज्ञान त्रिपाठी,दिलीप जायसवाल,रामकृपाल बिन्द, संदीप पाठक, लक्ष्मीकांत मिश्र, पुनीत मिश्र, प्रेमशंकर दुबे समेत किसान बंधु मौजूद रहे!

# 'भाजपा ने हवन-पूजन कर लोकसभा चुनाव कार्यालय का किया उद्घाटन'

सुल्तानपुर। लोकसभा चुनाव कार्यालय खोलकर बीजेपी ने चुनावी बिगुल बजा दिया है।वैदिक मंत्रोच्चार तथा हवन–पूजन के साथ




सुल्तानपुर के दरियापुर रोड पर लोकसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नन्दी ने फीता काटकर किया।भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ.आर. ए वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री नंदी ने कहा लोकसभा चुनाव का शंखनाद हो गया है।पार्टी कार्यकर्ता हर बूथ पर प्रचंड जीत का परचम लहराने के लिए पूरी ताकत से जुट जाएं।उन्होंने कहा यह चुनाव कार्यालय अब सभी चुनावी गतिविधियों का केंद्र होगा।लोकसभा प्रभारी दुर्गेश त्रिपाठी एवं लोकसभा संयोजक जगजीत सिंह छंगू ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बूथ जीतो चुनाव जीतो का मंत्र दिया।संचालन जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी ने किया।जिला कोषाध्यक्ष व कार्यालय की व्यवस्था प्रमुख पूजा कसौधन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।पार्टी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने जानकारी दी कि कार्यक्रम को पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह,पूर्व मंत्री ओमप्रकाश पांडे, क्षेत्रीय महामंत्री सुशील त्रिपाठी,विधायक राजेश गौतम,पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी,पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल,सहकारी बैंक अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह,कृपाशंकर मिश्रा आदि ने संबोधित किया।इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण सिंह, डॉ सीताशरण त्रिपाठी,पूर्व विधायक अर्जुन सिंह,सांसद प्रतिनिधि रणजीत कुमार,विजय सिंह रघुवंशी,संदीप सिंह,घनश्याम चौहान,धर्मेन्द्र कुमार,शशीकांत पाण्डे,सुनील वर्मा,भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह त्रिलोकचंदी,आनन्द द्विवेदी, आलोक आर्या, प्रीति प्रकाश, डॉ वेद प्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

# पेट्रोल पंप की तरह ही धर्मकाटे में चिप लगाकर माल चोर गैंग का खुलासा, सात गिरफ्तार

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। धर्मकांटे में चिप लगाकर रिमोट से वजन बढ़ाकर माल चोरी करने वाले गैंग का खुलासा हुआ है। एसटीएफ ने महाराजगंज थाना क्षेत्र के पूराबाजार स्थित सीएसआईएल धर्मकांटा से सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चिप, वायर, रिमोट समेत अन्य तकनीकी उपकरण भी बरामद हुए हैं। अभी चार मुख्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। एसटीएफ के निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह ने महाराजगंज थाने में दी तहरीर में बताया कि कुछ माह से पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में धर्मकांटों के लोडसेल वायर में छेड़छाड़ करके माल चोरी करने की सूचना मिल रही थी। ये लोग एक चिप या डिवाइस के जरिये रिमोट से वजन बढ़ा देते थे। शेष माल को अलग–अलग लोगों को बेचकर आपस में बांट लेते थे। शनिवार को आरोपियों के पूराबाजार स्थित सीएसआईएल धर्मकांटे पर होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो सरिया लदा एक ट्रेलर व एक कार खड़ी थी ट्रेलर से पहले से ही सरिया निकाल ली गई थी। ट्रेलर में बैठे दो व कार में बैठे चार आरोपियों को दबोच लिया गया। आरोपियों की पहचान कादरीगंज बिहार निवासी रंजीत चौधरी, वजीरगंज गोंडा निवासी सुरेंद्र कुमार शुक्ला, सिद्धार्थनगर के सिरसिया निवासी विशाल अग्रहरि,बलिया के नगपुरा निवासी राजवीर सिंह, गोंडा के रामपुर भगाही नवाबगंज निवासी अंकित कुमार यादव, गोंडा के रघुराज नगर टिकरी निवासी दिनेश कुमार पांडेय के रूप में हुई।

आरोपियों ने बताया कि वह प्लांट के गेट पर तैनात गार्ड देवरिया के रामपुरगढ़ निवासी आशुतोष राव की मदद से धर्मकांटा के लोडसेल वायर में चिप लगाए थे। आरोपी विशाल अग्रहरि मुंबई में धर्मकांटे की दुकान पर कार्य करता था। वहीं से उसे धर्मकांटे के पार्ट व उनकी मरम्मत की जानकारी हुई थी। इसके अलावा आरोपी परसरामपुर बस्ती निवासी अनिल कुमार यादव, अमेठी के जगदीशपुर के मरौचा बौरा निवासी विवेक कुमार सिंह, अयोध्या के भरत पंडित व अंबेडकरनगर के अवसानपुर निवासी बब्बन सिंह यादव फरार हैं। दर्ज एफआईआर के अनुसार, विशाल अग्रहरि ने बताया कि धर्मकांटे में चिप लगाकर रिमोट से वजन घटाया–बढ़ाया जाता है। रिमोट पर चार बटन ए, बी, सी, डी अंकित हैं। ए व बी से रिमोर्ट ऑन व ऑफ होता है। सी से वजन बढ़ता है और डी से वजन मैनेज होता है। गाड़ी आने से पहले जितने वजन का माल निकाला गया होता है, उतना वजन रिमोट से धर्मकांटे के पास जाकर सेट कर लिया जाता है। जब गाड़ी धर्मकांटे पर चढ़ती है, वजन होते समय ए बटन दबा देने से बढ़ा हुआ वजन धर्मकांटे पर प्रदर्शित होता है। थानाध्यक्ष अमरजीत सिंह ने बताया कि मामले में केस दर्ज करके जांच की जा रही है।

# मानदेय मांगने पर हटाए गए टीबी अस्पताल के 45 कर्मचारी, छह महीने के मानदेय को लेकर किया प्रदर्शन

गोरखपुर, संवाददाता। एयरपोर्ट के पास स्थित 100 बेड टीबी अस्पताल में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को मानदेय के लिए प्रदर्शन करना महंगा पड़ा। एक साथ सभी 45 कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाते हुए नोटिस थमा दिया गया है। इसके साथ ही सेवा प्रदाता फर्म ने भी स्वास्थ्य विभाग से अपने अनुबंध को खत्म कर दिया है। अब इससे सोमवार से अस्पताल के संचालक में दिक्कत आनी तय है, क्योंकि वहां पर डॉक्टरों को छोड़कर पैरामेडिकल स्टॉफ, सफाई आदि सब आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के भरोसे ही चलता है। दरअसल, अस्पताल में कार्यरत 45 कर्मचारियों को पिछले छह महीने से मानदेय नहीं मिल रहा था। इसे लेकर कर्मचारियों ने कुछ दिन पहले प्रदर्शन कर दिया। इसके बाद से इन पर कार्रवाई की पृष्ठभूमि तैयार कर ली गई थी। रविवार को सेवा प्रदाता फर्म ने ईमेल कर कर्मचारियों को बाहर करने की जानकारी दी है। रविवार को आउटसोर्सिंग कर्मियों ने ड्यूटी की, हालांकि उन्होंने हाजिरी नहीं लगाई। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट के पास स्थित 100 बेड टीबी सह सामान्य अस्पताल में आउटसोर्सिंग से तैनात 45 कर्मचारी फरवरी वर्ष 2016 से आउटसोर्सिंग पर तैनात हैं। पहले इनकी तैनाती अवनी–परिधि फर्म के जरिए हुई थी। जुलाई 2021 से उनकी सेवा प्रदाता फर्म को बदलकर दिल्ली की चींटी इंटरप्राइजेज कर दिया गया। फर्म ने छह महीने पहले से बायोमेट्रिक हाजिरी शुरू कर दी। इसके लिए अस्पताल के अंदर एक बायोमेट्रिक मशीन लगी है। सिर्फ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए ही बायोमेट्रिक हाजिरी ली जा रही हैं। कर्मचारियों का जब से बायोमेट्रिक हाजिरी शुरू हुई। तब से कर्मचारियों का मानदेय नहीं मिला था। आठ फरवरी को कर्मचारियों के खाते में चार महीने का मानदेय मिला। इसमें भी बायोमेट्रिक हाजिरी के नाम पर मनमानी कटौती हो गई। इसमें चार हजार से लेकर 30 हजार रुपये तक कर्मचारियों को कम मानदेय मिला। फर्म ने इस कटौती की वजह बायोमेट्रिक हाजिरी के रिकॉर्ड को माना है। इसी का कर्मचारी विरोध कर रहे थे।

सभी पदों पर थी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की तैनाती

अस्पताल में 18 चिकित्सकों के अलावा करीब 40 स्थाई कर्मचारी तैनात है। इसके अलावा पैरामेडिकल स्टाफ में 45 आउटसोर्सिंग कर्मी तैनात है। इनमें 15 स्टाफ नर्स, तीन वार्ड ब्वाय, 10 चपरासी, 10 स्वीपर, एक–एक लैब अटेंडेंट, ओटी अटेंडेंट, धोबी, कहार, प्लंबर, व इलेक्ट्रीशियन तैनात हैं। इनका मानदेय 7600 से 19 हजार के बीच है।

# विप्रसंजीवनीपरिषद गुरुकुल अयोध्या का पंचम वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। विप्रसंजीवनीपरिषद गुरुकुल अयोध्या का पंचम वार्षिकोत्सव डा0अशोकपाण्डेय संस्थापक विप्रसंजीवनीपरिषद एवं प्राचार्य –श्रीराजगोपाल संस्कृत महाविद्यालय अयोध्या के कुशल नेतृत्व में बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें त्रिदण्डिदेव सं0म0वि0अयोध्या से प्राचार्य श्री राजेश्वर कुमार मिश्र एवं प्रवक्ता–श्री आशुतोष पाठक जी श्रीरूपकला सं0म0वि0के प्राचार्य श्री रोहित पाण्डेय जी श्री योगिराज सं0म0वि0से श्री पुनीत दास जी श्रीकृष्ण मिश्र जी श्रीसद्धर्मविवर्धनी मा0वि0 से श्री मायासागर जी एवं श्री वेदान्त विद्यापीठ से श्री हेमन्त जी अशरफी भवन मा0वि0 से श्री बैकुण्ठ नाथ जी श्रीबालमुकुंद सं0म0वि0 से श्रीमनमोहन उपाध्याय जी एवं अन्यान्य आचार्य श्रीराजगोपाल स0म0वि0 से श्री रमाकांत जोशी एवं दीप कुमार दीपू जीऔर उक्त विद्यालयो के छात्र भी उपस्थित रहे। मुख्यातिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन ,कुलगीत गान ,वैदिक मंगलाचरण , लौकिक मंगलाचरण स्वागत गीत के उपरांत मुख्यातिथियों का लघु भाषण भी हुआ धन्यवाद ज्ञापन डा0राजकुमार उपाध्याय ने किया तथा विप्रसंजीवनीपरिषद का लघु परिचय तथा उसका उद्देश्य पर एक लघुप्रस्तुति डा0अशोककुमारपाण्डेय द्वारा हुई । विप्रसंजीवनीपरिषद संस्था का डा0अशोककुमारपाण्डेय द्वारा विरचित संस्कृत कुलगीत संस्था को समर्पित किया गया।

विप्रसंजीवनीपरिषद के प्रबंधक डा0राजकुमार उपाध्याय मंत्री श्री मुकेश कुमार पाण्डेय एवं संस्था केअन्यान्य सदस्यों ने आध्यात्मिक क्षेत्र मे विशिष्ट योगदान के लिए श्री स्वामी सुरेन्द्र प्रपन्नाचार्य जी महाराज (श्रीरामजानकीमंदिर अयोध्या)को एवं संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार में विशिष्ट योगदान के लिए श्रीजगदानंद झा जी(उ0प्र0 संस्कृत संस्थान भाषा विभाग लखनऊ)को एवं आधुनिक शिक्षा में विशिष्ट योगदान के लिए श्री पारसनाथ चतुर्वेदी जी को भारतीय सेना में विशिष्ट योगदान के लिए सूबेदार संजय सिंह (छबी पैलेस एण्ड मैरेज हाल इटौरा चौराहा अयोध्या) को एवं समाज सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए श्रीरमेश सिंह, (बिहारी पुर मसौदा अयोध्या) को विप्रसंजीवनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तथा संस्कृत शिक्षा को बढावा देने के लिए एवं इस भाषा को जन जन तक पहुचाने के लिए एवं संस्कृत भाषा अध्ययन कर रहे। बच्चो को प्रोत्साहित करने के लिए संस्था ने सूत्र अन्त्याक्षरी श्लोक अन्त्याक्षरी सामान्य ज्ञान संस्कृत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेता बच्चों को पुरस्कार एवं मेडल प्रदान किया गया।

# रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचे रिकार्ड 10 लाख श्रद्धालु

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।रामनगरी अयोध्या धाम में 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा के बाद अभी तक 23 जनवरी को सबसे अधिक 5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। उसके बाद मौनी अमावस्या के दूसरे दिन 10 फरवरी की भोर से ही श्रद्धांलुओं का रेला अयोध्या की तरफ उमड़ पड़ा। आस्था का सैलाब इतना अधिक था कि भीड़ नियंत्रण में फोर्स के भी पसीने छूट गए। अभी तक आस्था ट्रेनों, टूरिस्ट बसों, फ्लाइट एवं निजी संसाधनों से प्रति दिन 3 से 3.5 लाख श्रद्धालु आ रहे अयोध्या आ रहे हैं किन्तु शुक्रवार 9 फरवरी को मौनी अमावस्या का स्नान होने के कारण तीर्थ नगरी अयोध्या व प्रयागराज में श्रद्धालु सरयू व गंगा में डुबकी लगाते हैं। जिसके चलते मौनी अमावस्या पर अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगभग 4 लाख रही। इसके दूसरे दिन यानी 10 फरवरी कल शनिवार को श्रद्धालुओं की संख्या में काफी वृद्धि देखी गई जो 10 लाखघ से अधिक रही।

# आम आदमी पार्टी के दोनों मुख्यमंत्री दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राम लला का किया दर्शन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। आम आदमी पार्टी के दोनों मुख्यमंत्री ने राम लला का दर्शन किया, दर्शन के बाद एयरपोर्ट पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बयान दिया कि आज रामलला का दर्शन पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, प्रभु राम का दर्शन करके असीम शांति का अनुभव मिला, बहुत अच्छा लगा, इसका वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता, पूरे समाज और पूरे विश्व के लिए सौभाग्य की बात है, अयोध्या में भव्य और सुंदर मंदिर बनकर तैयार हुआ है, प्रतिदिन लाखों राम भक्त दर्शन पूजन करने आ रहे हैं, आस्था देखकर दिल गदगद हो जाता है और हमने भगवान से सबके लिए देश के लिए सुख शांति और स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बयान दिया कि परिवार के साथ प्रभु राम के दर्शन हुए, लंबे समय से इच्छा थी, आज आना हुआ, भारत धार्मिक आस्था वाला देश है, कोई पर्व और कोई त्यौहार जब मनाया जाता है तो हम लोग इकट्ठे होकर मनाते हैं, राम लला का दर्शन पूजन करने के बाद किया प्रार्थना, देश की हो तरक्की हो सब लोग रहे सुखी, शांति से सब में आपस में भाईचारा बना रहे, भारत एक गुलदस्ता है और गुलदस्ते के अलग–अलग रंग है, फल फूल की अपनी सुगंध है, अयोध्या जाकर बहुत अच्छा लगा।

# हिंदी फिल्म 'दशमी' का पोस्टर लान्च, 16 को होगी रिलीज

## –सामाजिक बुराइयों को इंगित करते हुए बनाई गयी है फिल्म।

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।आगामी 16 फरवरी को रिलीज हो रही हिंदी फिल्म दशमी का पोस्टर लॉन्च किया गया। वही अयोध्या शहर के सिविल लाइन स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता के दौरान फिल्म के प्रोड्यूसर डायरेक्टर व कलाकारों ने लॉन्च पोस्टर किया। पोस्टर लॉन्चिंग के मौके पर प्रोड्यूसर डायरेक्टर राइटर व फिल्म के कलाकार मौजूद रहे। इस फिल्म में ऐश्वर्या, मनोज सिंह टाइगर व संजय पांडे मुख्य भूमिका में, फिल्म में सामाजिक बुराइयों को इंगित किया गया है। प्रेस वार्ता के दौरान फिल्म निर्देशित शांतनु तांबे ने बताया कि कब तक कलयुग में त्रेतायुग के रावण को जलाते रहेंगे, अब कलयुग के रावण को जलाने का समय इस फिल्म में निर्देशित किया गया। यह फिल्म 16 जनवरी को संपूर्ण भारत में रिलीज हो रही। फिल्म के सभी ट्रेलर और गाने आ चुके हैं। जिस तरह से बलात्कार की जो वारदाताए हो रही है। उसी को लेकर हमने ये फिल्म बनाई। उन्होंने बताया कि यहा फिल्म लखनऊ, कानपुर, मलियाबाद और अयोध्या शूटिंग की गई और एक छोटा सा हिस्सा हमने मुंबई में शूट किया था।वही दशरथगद्दी के महंत बृजमोहन दास ने फिल्म के प्रोड्यूसर डायरेक्टर राइटर व फिल्म के कलाकारो को प्रभु श्री राम की नगरी से फिल्म की लांचिंग को लेकर आशीर्वाद दिया. उन्होंने कहा कि दशमी नाम से सबको पता चल जाता है कि दशमी फिल्म का मतलब हुआ बुराई का अंत और सच्चाई की जीत। इस फिल्म के जरिये इन सभी लोगो ने दिखाने का काम किया है।

# क्रिएटिव कान्वेंट कालेज में पौधों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए लोगों को पौधारोपण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज में पौधों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आज इस प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि के तौर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री योगेंद्र सचान और विद्यालय के जीव विज्ञान प्रवक्ता संतोष शर्मा मौजूद रहे प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के पौधों को शामिल किया गया। प्रदर्शनी के आयोजन में कक्षा 9 की छात्र–छात्राएं काजल पांडे भूमि बोरा सौम्या प्राची वर्षा अभिषेक शुक्ला निखिल पियूष शिवा एवं कक्षा 11 की छात्र–छात्राएं हर्षिता आदित्य प्रियंका साहिल समीर सत्यम ने विद्यालय के प्रबंधक योगेंद्र सचान को पौधों के बारे में विस्तार में जानकारी दी उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के फूलों के पौधों को प्रदर्शित किया गया जिसमें मुख्य आकर्षण का केंद्र कैक्टस शामिल रहा।

# नेशनल पैंथर्स पार्टी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजीव जोली खोसला ने मोदी सरकार को दिया ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। नेशनल पैंथर्स पार्टी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजीव जोली खोसला और राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा जी ने पैंथर्स परिवार की ओर से भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी को ज्ञापन सोप जिसमें स्पष्ट तौर से लिखा है की 2014 के बाद मोदी सरकार ने सूझबूझ से अजूबे काम किया ना होने वाले एक और अजूबा किसानों के हित में करने का निवेदन किया किसान फसल उगाता मगर उसे खुदरा व्यापार से मात्र 10 से 20% दाम मिलता है जो उसकी मेहनत और फसल पर लगाई गई कीमत भी पूरी नहीं होती जिसकी वजह से उसे खुदकुशी तक करनी पड़ती है खोसला ने बताया कि किसानों से बात करने से पता चला कि फसल में डालने वाली पोटाश खाद जो पिछले साल रू1300 का 50 किलो था आज वह रू1700 का 45 किलो हो गया है अभी कुछ ही दिनों पहले पंजाब में माल्ट की बेशुमार फसल को किसानों ने सड़कों पर ट्रैक्टर ट्राली के नीचे रगड़ दिया जिसका ज्यादातर लाभ फसल को खरीद कर स्टोर करने वाले या खुदरा बाजार में बेचने वाले कमाते हैं मेहनत किसान करता है कामता कोई और है मोदी सरकार से निवेदन किया कि वह कुछ ऐसा करें जिससे कि 80: लाभ किसान को मिले और 20: लाभ स्टोर करने वाले को और खुदरा व्यापार में बेचने वाले को जिससे किसान खूब मेहनत कर भारत को सर्वो प्रिया बनाने में सभी को तैयार करें क्योंकि चाहे इंजीनियर हो या डॉक्टर ,टीचर, या अधिवक्ता हो या मजदूरी करने वाला जनमानस खाना तो उसे किसान द्वारा उगाई हुई फसल को ही पड़ेगा ना की अन्य पदार्थ पैंथर्स परिवार मौजूदा सरकार के आखिरी संसद सत्र में यह निवेदन करती है अन्नदाता के पक्ष में शीघ्र उचित कार्रवाई की जाए जय जवान ,जय किसान।

# वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान जिला एमेच्योर एथलेटिक्स एसोसिएशन के वाइस चेयरमैन चयनित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बक्शी का तालाब स्थित एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के वाइस चेयरमैन, पीयूष सिंह चौहान को जिला एमेच्योर एथलेटिक्स एसोसिएशन का वाइस चेयरमैन बनाया गया। गुरुकुल अकादमी स्कूल, भूतनाथ, लखनऊ में आयोजित चुनाव में, उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा नामित जिला एथलेटिक कमिटी के चेयरपर्सन कल्पना सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री दयाशंकर सिंह को चेयरमैन और सत्येन्द्र सिंह को सचिव चुना गया। इस महत्वपूर्ण चुनाव में, चीफ पैटर्न के रूप में कल्पना सिंह, वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान, कार्यकारी अध्यक्ष रुद्र प्रकाश पांडेय और सीनियर वाइस प्रेसीडेंट डी.के. शाही का चयन किया गया। कोषाध्यक्ष पद पर मोतीलाल और संयुक्त सचिव पद पर कार्तिकेय सिंह, शिवा सिंह चौहान, कमल कुमार सिंह, व संजय यादव ने अपनी जिम्मेदारियों को संभाला। इसके साथ ही, विनय सिंह, लक्ष्मण कन्याल, अखिलेश सिंह, राजेश सिंह और प्रज्ञा चंद्रा को सदस्य के रूप में चुना गया।

# महर्षि स्वामीदयानंद राष्ट्र निर्माण के सूत्रधार थे - आचार्य शिवकुमार शास्त्री

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बीटीगंज रुड़की, हरिद्वार। बीटी गंज, सुभासगंज रुड़की आर्य समाज के प्रांगण में महर्षि स्वामी दयानंद जी की 2 00वी जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पुरोहित बिहार लाल जी द्वारा यज्ञ संपन्न कराया गया इस अवसर पर राठी परिवार, पवन परिवार यजमान की भूमिका निभाई। यज्ञ में प्रधान प्रधान भीष्म गिरी गोस्वामी, मंत्री सतपाल, सतीश, आर के अनेजा, राजेंद्र सेवक, चांदनी, आलोक द्विवेदी आदि उपस्थित रहे। यज्ञ के उपरांत आचार्य शिव कुमार शास्त्री जी ने स्वामी दयानंद जी की जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा की स्वामी दयानंद जी राष्ट्र निर्माण के सूत्रधार थे उन्होंने भारत देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आचार्य शिव कुमार शास्त्री जी के ओजस्वी प्रवचन का लाभ उपस्थित भक्त जनों ने उठाया। आर्य समाज के प्रधान भीष्म गिरी गोस्वामी तथा मंत्री सतपाल जी ने आचार्य शिवकुमार शास्त्री का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, राजकुमार अनेजा, उप प्रधान विजय कुमार वर्मा, पवन कुमार आर्य, उप मंत्री हरफूल सिंह राठी, स्वामी ब्रह्मानंद, डॉक्टर केपी अत्रे, अमरेश , बाला, सोनिया भाटिया, रविंद्रकुमार मनोज शर्मा, उदयवीर सिंह, विनोद राठी प्रधान , राजेश कैंसिलअजय कुमार, डॉ रामपाल, भूषण लाल जी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में उपस्थित भक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

# 500 से अधिक जनसेवकों ने आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल की उपस्थिति में भाजपा सदस्यता ग्रहण की

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) लोकसभा चुनावों की आहट से पहले भारतीय जनता पार्टी देश से लेकर ग्रामीण स्तर तक हर कांटे को दुरुस्त करने में लग गई है। पार्टी जिला मुख्यालय पर संपन्न हुए कार्यक्रम षविधानसभा मिलन समारोहष में भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नितिन अग्रवाल की उपस्थिति में जनपद के विभिन्न सामाजिक और राजनैतिक पार्टी से आए लगभग 500 लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर भाजपा को लोकसभा में प्रचंड बहुमत से जिताने का प्रण लिया। कार्यक्रम में मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि देश में भाजपा ही एकमात्र ऐसा दल है जिसके मूल में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आर्थिक और सामाजिक विकास से जोड़ने का लक्ष्य है। देश आज जिस रफ्तार से आर्थिक विकास की यात्रा कर रहा है, वह दिन दूर नहीं जब विश्व बिरादरी की अगुवाई भारत के हाथ में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दस साल के शासन काल में हर वर्ग को आत्मसम्मान से से जीने का हक मिला। भाजपा ने देश की चार प्रमुख जाति, जिसमें युवा, महिला, गरीब और किसान शामिल है सबको बिना किसी भेदभाव के कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित कराने का काम किया। लोकसभा में बरसों से अटका पड़ा महिला सशक्तिकरण को लेकर नारी वंदन अधिनियम को पारित कराया। कांग्रेस राज में व्याप्त भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद और पश्चिमी मानसिकता को खत्म कर प्रधानमंत्री मोदी ने देश और देशवासियों में एक खुशनुमा वातावरण और सबमें आत्मनिर्भर होने का भाव जगाया। इस अलख से देश से लेकर प्रदेश में स्टार्टअप और मेक इन इंडिया की एक नई क्रांति का आगाज हुआ। विश्वजगत में भारत का मान सम्मान बढ़ा है। मंत्री नितिन अग्रवाल ने कांग्रेस पर चुटकी लेते हुए कहा कि जिस रफ्तार से कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर जा रहे है, उससे लगता है पार्टी को अब जहाज की जगह नाव की जरूरत पड़ेगी। और नाव का पतवार अपनी नांव डूबने से बचा ले इसमें भी संशय है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने भाजपा परिवार में शामिल हुए सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा कि अब आप सभी लोग भाजपा परिवार के अहम सदस्य बन गए है, और अब सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रचंड बहुमत से दिल्ली की सत्ता पर बैठने का कार्य करें।

# सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत एक घायल

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' थाना क्षेत्र के सांडी खेड़ा तिराहे पर एक बाइक सवार युवक की दुग्ध वाहन से जोरदार टक्कर हो गई। दुग्ध वाहन की जोरदार टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक युवक थाना हरपालपुर क्षेत्र के नगरा बरसुइया के सर्वेश कुशवाहा का पुत्र रावेन्द्र बताया जाता है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह युवक पाली की ओर से भरखनी की तरफ जा रहा था जैसे ही युवक साड़ी खेड़ा तिराहे पर पहुंचा इसी दौरान भरखनी की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही दुग्ध वाहन ने साड़ी खेड़ा तिराहा मोड़ पर बाइक सवार को जोर दार टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार युवक की मौत हो गई,वहीं दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को स्थानीय लोगों की मदद से उपचार हेतु

सवायजपुर सीएचसी पहुंचा दिया गया। वहीं ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालांकि घटना के बाद वाहन चालक वाहन लेकर भागने में सफल रहा। घटना की सूचना पर मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

# सैन्य अधिकारी के घर से सोने के बिस्किट समेत लाखों की चोरी, घटना सी सी टी वी में हुई कैद

प्रयागराज, संवाददाता। धूमनगंज में एयरफोर्स के स्क्वॉड्रन लीडर श्यामल दत्त के घर से चोर 100 ग्राम सोने के बिस्किट समेत लाखों का सामान चोरी कर ले गए। अफसर लखनऊ में भर्ती थे। इलाज के दौरान उनकी मौत के बाद परिवार लौटा तब घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने अज्ञात में केस दर्ज किया है। अफसर अपने परिवार के साथ प्रीतमनगर स्थित एचआईजी कॉलोनी में रहते थे। उनकी पत्नी गौरी दत्त ने पुलिस को बताया कि वह 21 जनवरी को पति के इलाज के लिए लखनऊ चली गई थीं। पति की इलाज के दौरान मौत होने पर जब वह शव लेकर पांच फरवरी को घर लौटीं तो दरवाजों पर लगे और आलमारियों की तिजोरियों के ताले टूटे हुए थे। साथ ही गहनों के अलावा कीमती सामान व इलाज के लिए रखी नकदी भी गायब थी। चोरी गए सामान में सोने के बिस्किट के अलावा सोने की तीन बड़ी व दो छोटी चेन, पांच अंगूठी, चूड़ी, मंगलसूत्र, हार व कुंडल सेट, कान के टॉप्स, लटकन, झाले, कंगन, पायल, सोने के सिक्के आदि समेत अन्य गहने व लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल समेत अन्य सामान शामिल हैं।

साप्ताहिक हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।